बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा : 2 से 5

विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

जैसा कि सर्वविदित है कि इस कोरोना महामारी ने मानव समाज को अपूरणीय क्षति पहुँचाई है। वह चाहे जानमाल की क्षति हो या आर्थिक या अन्य क्षति किन्तु सबसे अधिक क्षति हमलोगों को शिक्षा में उठानी पड़ी हैं। इस क्षति को हमलोग शत प्रतिशत पूरा तो नही कर सकते किंतु इसे हमलोग सामूहिक प्रयास से कम , अवश्य कर सकते हैं।

इस संदर्भ में SCERT द्वारा एक प्रयास किया गया है जो CATCH-UP COURSE बनाकर, जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है:–

इस कैलेण्डर की कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जो हम सभी को जानने की आवश्यकता हैं ताकि हम अपने कार्यो एवं दायित्वों का सही तरह से निर्वहन कर सकें:–

मुख्य बातें :–

- पूरे छूटे हुए साल भर के Course का समेकन कर इसे तीन माह (60 कार्य दिवस) में पूरा करने हेतु CATCH-UP COURSE आपके हाथों में है।
- इसमें अधिगम प्रतिफल को आधार बनाकर उनके अनुरूप पाठों का चयन किया गया हैं।
- जो CATCH-UP COURSE आपके हाथों में है उसके अनुरूप हमालोग बच्चों की अधिगम क्षति की पूर्त्ति करने का प्रयास करेंगें जो एक प्रारूप में दिया गया हैं। जो अग्रांकित है।
- अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हेतु पाठों का चयन एवं उन पाठों को प्रस्तुत करने के सुझावात्मक प्रतिक्रियाएँ भी हैं तथा उस प्रक्रिया को अपनाने के बाद हम बच्चों में क्या परिवर्तन देख सकते हैं यह अधिगम संकेतक के अंतर्गत हैं। संकेतकों के माध्यम से बच्चों ने वह प्रतिफल प्राप्त किया या नहीं यह जाना जा सकता हैं।
- पाठों की संख्या कम की गयी हैं साथ ही इस बात का ध्यान रखा गया है कि सभी विधाओं का समावेश रहे।
- शिक्षक विद्यार्थियों को गतिविधि करने के लिए बाध्य नहीं करें बल्कि अनुकूल माहौल बनाएं। उदाहरण के लिए कहानी कहकर या 'हम एक खेल खेलते हैं' जैसी गतिविधियों में भाग लेने का भी प्रयास करें।
- उल्लेखित गतिविधियाँ सुझावात्मक है, संसाधनों की उपलब्धता और विद्यार्थियों के पूर्वज्ञान के आधार पर इनमें संशोधन किया जा सकता हैं।

- शिक्षकों द्वारा मौखिक और दृश्य निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि सभी बच्चे, विशेषकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी बताई गई गतिविधि का पालन करने में सक्षम हों।
- विचारों की अभिव्यक्ति, तार्किक चर्चा और भाषा प्रवीणता के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त अवसर दिए जाने चाहिए। प्रश्न पूछना और छात्र– छात्राओं का सोंचने के लिए प्रोत्साहित करना इस उद्देश्य को प्राप्त करने में सहायकत होगा।
- ई– पाठशाला एवं भारत सरकार के दीक्षा पोर्टल, शिक्षा हाउस दूरदर्शन, उन्नयन, बिहार कैरियर पोर्टल, विद्यावाहिनी, यूट्युब, Sucess CD Education, पर उपलब्ध ई–सामग्री का उपयोग किया जा सकता है।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना

विषय–हिन्दी

कक्षावार अधिगम कौशल/प्रतिफल

कक्षा–II जव V

पाठ का नाम

कक्षा–II	मौखिक भाषा विकास, ध्वनि का चेतना विकास, प्रिंट चेतना का विकास, चित्र पठन के माध्यम से अवलोकन/कल्पना करने की क्षमता का विकास, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से माँसपेशीय विकास।	हँसते–खेलते, हमारा गाँव, पटना का चिड़ियाघर, चंदा मामा, मन करता है, दो दोस्त, लालची कुत्ता
कक्षा–III	वर्णमाला की अक्षरों की आकृति एवं ध्वनि को पहचानने की क्षमता का विकास, अपने आसपास के परिवेश आधारित घटनाओं को बता पाने की क्षमता का विकास, वाक्य की अवधारणात्मक समझ का विकास (अक्षर–शब्द– वाक्य)	हँसते–खेलते, कौआ और लोमड़ी, नानी तेरी मोरनी, अगर पेड़ भी चलते होते, दो बकरियाँ, किसान आलू और भालू, प्यासा कौआ, चूँ–चूँ की टोपी
कक्षा–IV	शब्दावलियो का निश्चित स्थान पर प्रयोग कर वाक्य बनाने की क्षमता का विकास, कहानी/कविता को प्रवाह एवं आरोह–अवरोह के साथ सुना पाने की क्षमता का विकास, समझ के साथ पढ़ने एवं सन्दर्भित प्रश्न पूछने की क्षमता का विकास।	खूब मजे हैं मौसम के, हम सब, प्रतीक्षा, बब्बन बंदर, जंगल में सभा, राजगीर, साहसी इंदिरा
कक्षा–V	कविता/कहानी को समझकर मुझे अपनी भाषा में बता पाने की क्षमता का विकास, अपने लेखन में विराम चिह्नों के प्रयोग की क्षमता का विकास, भाषा की बारीकियों यथा– लिंग निर्णय। वचन आदि के प्रयोग करने की क्षमता का विकास।	सीखो, सुबह, सुनीता की पहिया कुर्सी, तीन बुद्धिमान, ऐसे थे बापू, चाचा का पत्र

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री।

कक्षा– 02 (कक्षा– 01 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा – 02 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्यदिवस की सामग्री।)

कक्षा–2 विषय- हिन्दी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे विद्यालय के परिवेश से जुड़ते हैं। ✓ रेखाओं को खींचने एवं बनाने का अभ्यास करते हैं। ✓ चित्रों को पहचानते हैं एवं उनके रंग आदि की पहचान करते हैं। ✓ मांसपेशियों का विकास होता है। ✓ बच्चों में सृजनात्मकता का विकास होता हैं।	हँसते–खेलते	✓ अपनी पसंद के चीजों के बारे में बताना।अप ✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ विभिन्न प्रकार के चार्टों का पठन करना। ✓ चार्ट में दिखने वाले चित्रों के रंग आकार आदि के बारे में बात करना। ✓ विभिन्न प्रकार के चित्रों का सृजन करना।	✓ बच्चे पहले दिन स्कूल आए हैं तो उनको स्कूल के वातावरण में सहज महसूस कराने के लिए बातचीत करें। ✓ शिक्षक पहले अपना परिचय दें फिर बच्चों से उनका परिचय पूछें। ✓ बच्चों से उनके नाम एवं उनके परिवार के बारे में बातचीत करते हुए उन्हें अपनी भाषा में बोलने के अवसर दें। ✓ बच्चों को अलग–अलग चार्ट (फल–फूल,सब्जी,पशु–पक्षी) का पठन कराते हुए उनके पसंद के फल– फूल आदि के बारे में	04
			✓ बातचीत करें एवं उन्हें बोलने के अवसर दें। ✓ बच्चों को छोटी–छोटी कविताएँ या गीत गाने के अवसर दें। ✓ बच्चों से उनके रोज के अनुभव (जैसे –कल आपने क्या खाया?,कौन सा खेल खेला ?)के बारे में बोलने के अवसर दें। ✓ पाठयपुस्तक अंकुर के पृष्ठ सं0–1–13 पर बच्चों को कार्य करने के लिए प्रेरित करें।	

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ चित्रों का बारीक अवलोकन करते हैं एवं उस पर बातचीत करते हैं। ✓ ध्यानपूर्वक सुनते हैं एवं अपनी भाषा में सहजता से बोलते हैं। ✓ निजी अनुभवों को साझा करते हैं।	हमारा गाँव (चित्रपठन)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज रुप से बोलना । ✓ चित्रों के बारे में बात करना। ✓ छोटे–छोटे प्रश्न पूछना। ✓ गाँव में पायी जाने वाली वस्तुओं के नाम एवं उनके बारे में जानना। ✓ मनपसंद चित्र बनाना और उसपर आपस में बात करना।	✓ चित्रों को देखकर आपस में बातचीत करने हेतु प्रोत्साहित करने के अवसर हों। ✓ बच्चों को निजी जीवन से जोडना एवं प्रश्न पूछना। ✓ गाँव से जुड़े जानवरों, अन्य वस्तुओं एवं अनुभवों को बताने के अवसर हों, जैसे आपके घर में कौन–कौन से जानवर हैं?, आपके खेत में क्या–क्या बोया जाता हैं? ✓ अंकुर पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 16–19 पर कार्य करने के अवसर दें।	3
✓ विभिन्न प्रकार के खेलों के बारे में बातचीत करते हैं एवं मौखिक/लिखित एवं सांकेतिक प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ चित्रों के द्वारा स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं। ✓ आनंद के लिए स्वयं गाते हैं एवं वर्तनी का प्रयोग करते हैं। ✓ हिन्दी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनियों को पहचानते हैं।	चंदा मामा (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव के साथ इस पाठ का गायन करना। ✓ परिचित शब्दों/नामों को श्यामपट्ट पर अनुमान से पहचानना एवं पढ़ना।	✓ बच्चों को स्थानीय बालगीत ,लोकगीत, खेलगीत गाने के अवसर दें। ✓ पाठ को बच्चो के निजी जीवन से जोडने के अवसर दें। ✓ परिवेश में उपलब्ध परिचित संदर्भो, चित्रों और छपी सामग्री को पढने के अवसर दें। ✓ वर्ण 'क' , 'च', 'ल', 'म', एवं आ की मात्रा बताने के अवसर दें (शब्दों की सहायाता से)। ✓ पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 37–42 पर काम करने के अवसर दें।	7

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ पाठ के आधार पर बच्चे बातचीत करते हैं एवं मौखिक ,लिखित ,सांकेतिक प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ परिचित शब्दों ,नामों आदि को कविता या श्यामपट्ट में पहचानते हैं। ✓ परिचित संदर्भ में बातचीत करते हैं। ✓ हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनियों को पहचानते हैं।	धम्मक –धम्मक (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ 'धम्मक–धम्मक' पाठ का गायन। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ परिचित शब्दों/नामों आदि को कविता, श्यामपट्ट एवं रैपर में पहचानना। ✓ चित्रों और छपी सामग्री को अनुमान से पढ़ना।	✓ बच्चों के साथ 'धम्मक–धम्मक' शीर्षक कविता का हाव–भाव के साथ एकल तथा छोटे समूह में गायन के अवसर दें। ✓ बच्चों को अन्य बालगीत या खेलगीत के गायन का अवसर दें। ✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोडते हुए हाथी के बारे में बातचीत करें जैसे– आपने हाथी कब और कहाँ देखा? हाथी क्या–क्या खाता है?	7
			✓ बच्चों को अपने पसंद के जानवरों के बारे में बोलने के अवसर दें। ✓ 'ग','ह','त','छ','ध' और ज की समझ विकसित करने के अवसर दें(उ,ऊ,और, 'ओ' की मात्रा ु , ू , ो) की समझ विकसित करने का अवसर दे। ✓ पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 53–58 में काम करने का अवसर दें।	

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ एकल या समूह में आनंद के लिए गायन करते हैं। ✓ भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं, जैसे सर–सर फर–फर। ✓ शब्दों की पहचान करते है।	पतंग (कविता)	✓ ध्यसानपूर्वक सुनना एवं हज भाव से बोलना ✓ हाव – भाव के साथ पतंग पाठ का गायन एवं उसपर बातचीत करते हुए प्रतिक्रिया देना। ✓ परिचित शब्दों को पहचानना। ✓ परिवेश में उपलब्ध चित्रों और छपी सामग्री को अनुमान लगाकर पढ़ना। ✓ चित्र बनाना एवं रंग भरना।	✓ इस कविता को हाव भाव के साथ एकल या छोटे समूह या बडे समूह में गायन का अवसर दें। ✓ बच्चों को पाठ से जोडना जैसे आकाश में कौन–कौन सी चीजें उड़ती हैं? ✓ परिवेश में उपलब्ध परिचित संदर्भों ,चित्रों और छपी सामग्री को पढने के अवसर दें। ✓ अभ्यास प्रश्नों को हल करने संबंधी प्रश्न जैसे– मिलते– जुलते शब्दों पर घेरा लगाना। ✓ पतंग बनाने, चित्र बनाने के अवसर दें। ✓ 'प','श','ख'','र', 'फ','ट','द', एवं 'ए '(ॅ) की मात्रा को सीखाने के अवसर दें। ✓ पतंग से संबंधित बातचीत बच्चों से करें जैसे– पतंग किन–किन रंगों की होती है? पतंग उड़ाने के लिए किन–किन चीजों की आवश्यकता होती है? ✓ पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 74–82 पर कार्य करने के अवसर दें।	7

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ पसंद–नापसंद के बारे में बातचीत करते हैं, अनुमान लगाते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ प्रिंट में मौजूद वर्ण, शब्द और वाक्य को अनुमान के आधार पर पहचानते हैं। ✓ दिए गए अक्षरों से शब्द बनाते हैं। ✓ वर्ग – पहेली बनाते हैं।	मन करता है (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ 'मन करता है'पाठ का गायन/वाचन। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ अनुमान के आधार पर पढ़ना। ✓ अभ्यास के प्रश्नों को हल करना।	✓ 'मन करता है' कविता को हाव–भाव के साथ एकल/छोटे समूह/बडे समूह में गायन के अवसर दें। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत के अवसर हों, जैसे– यदि आप पतंग बन जाएँ तो क्या –क्या देखेंगे ? बच्चा चिड़िया बनकर क्या करना चाहता है? आप चिडिया होते तो क्या करते? ✓ पाठ के अभ्यास को करने के अवसर दें। ✓ कविता को ऊँगली रखकर पढ़ने संबंधी गतिविधि कराएँ। ✓ परिचित शब्दों/नामों को कविता में पहचानने संबंधी गतिविधि कराएँ। ✓ ('ध', 'ष', 'न', 'ब', 'स', 'ड', 'थ', 'झ') एवं 'ऐ' (ै) की मात्रा सीखने के अवसर दें। ✓ पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ सं0 89–96 एवं 98 पर काम करने के अवसर दें।	7

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ ध्यानपूर्वक बातों को सुनते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ वर्णों, शब्दों, वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर पहचान करते हैं एवं समझते हुए पढ़ते हैं।	आलू का पराठा (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ हाव – भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ अनुमान के आधार पर समझते हुए पढ़ना। ✓ रंग भरना।	✓ बच्चों को अपनी भाषा में बोलने के अवसर दें। ✓ कविता को हाव – भाव के साथ एकल या समूह में गायन के अवसर दें। ✓ बच्चों को निजी जीवन से जोड़ना, जैसे आप किन–किन चीजों के पराठे खाते हैं?पराठा कैसे बनता है? ✓ पाठ को उँगली रखकर पढ़वानें संबंधी गतिविधि कराएँ। ✓ 'भ', 'ण', 'ठ', 'व', 'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ' एवं 'औ' की मात्रा (ौ) की समझ विकसित करने के अवसर दें। पाठ्यपुस्तक की पृष्ठसंख्या 113–120 पर काम करने के अवसर दें।	7

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ चित्रों का बारीक अवलोकन करते हैं। ✓ चित्रों को पहचान कर उनके नाम लिखते हैं।	पटना का चिड़ियाघर (चित्रपठन)	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ पाठ से संबंधित पशु–पक्षियों के बारे में बताना। ✓ पाठ में दिए गए वर्णों को पहचानना।	✓ बच्चों को ध्यानपूर्वक चित्र देखने एवं चित्रों के संदर्भ में बातचीत करने के अवसर हों। ✓ बच्चों को चित्र में दिख रहे एक–एक पशु–पक्षी के बारे में बातचीत करने, प्रश्न पूछने, अपनी बात जोडने के अवसर दें। ✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोडना जैसे – आपने कौन–कौन से जानवर देखे हैं? ✓ बच्चों को छोटे समूह में एवं चित्र में दिखने वाली वस्तुओं के नाम लिखने के अवसर हों। ✓ 'अ', 'इ', 'उ', 'ए' वर्णो को सीखने के अवसर दें। ✓ अगर आपके सामने शेर या बाघ आ जाए तो आप क्या करेगें? इस प्रश्न पर चर्चा करने के पर्याप्त अवसर दें।	3
✓ वर्णों, शब्दों , वाक्यों आदि को देखकर एवं उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझते हुए उनकी पहचान करते हैं। ✓ सुनी या पढ़ी गई चीजों को व्यक्तिगत जीवन से जोड़ कर देखते हैं। ✓ शब्दों का निर्माण करते हैं। ✓ अपनी समझ के आधार पर राय देते हैं एवं प्रश्न पूछते हैं।	चालाक चीकू (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ हाव–भाव के साथ चालाक चीकू कविता का गायन करना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ शब्दों को कविता में ढूँढ़ना (च से शुरू होने वाले शब्द)। ✓ पाठ में आए मात्रा एवं वर्णों को पहचानना, उपयोग करना।	✓ शब्दों को अपनी भाषा में बोलने के अवसर हो । ✓ हाव –भाव के साथ गायन/वाचन के अवसर दें। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत के अवसर हों जैसे– बिल्लियाँ कौन–कौन सी चीजें खाती हैं? वे आपस में क्यों लड़ रहीं थीं? ✓ बच्चों को समूह में अंत्याक्षरी एवं अभिनय करने के अवसर दें। ✓ 'आ', 'ई', 'ऊ', 'ऐ' मात्रा की समझ विकसित करने के अवसर दें। ✓ नीम के पेड़ के बारे में प्रश्न पूछें एवं उन्हें बोलने के पर्याप्त अवसर दें। जैसे– नीम का पेड़ कहाँ	4

			देखा है? उससे क्या–क्या लाभ होता है? ✓ पाठ्यपुस्तक की पृष्ठसंख्या 136–142 पर कार्य करने के अवसर बच्चों को दें।	
✓ कल्पना/अनुमान के आधार पर बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ भिन्न–भिन्न संदर्भों में भाषा का उपयोग करते हैं। ✓ पढ़ने और लिखने की कोशिश करते हैं।	हरे पेड़ (वार्तालाप)	✓ कल्पना/अनुमान के आधार पर बातचीत करना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ छोटे–छोटे सरल वाक्यों को पढ़ने की कोशिश करना। ✓ सरल वाक्यों में अपनी बात लिखने की कोशिश करना।	✓ पाठ को संवाद की शैली में करने के अवसर दें। ✓ इसी तरह की संवादपरक गतिविधियों का आयोजन वर्ग कक्ष में करने के अवसर दें।यथा – किसी बच्चे को पेड़, किसी को लड़की, किसी को चींटी बनाकर उनको संवाद करने के अवसर दें। ✓ संवाद की दिशा हमेशा बच्चों को कल्पना और चितंन की तरफ उन्मुख करने संबंधी हो, अगर पेड़ न रहे तो क्या होगा ? आप झूला कहाँ झूलेंगे ? आपको फल कहाँ से मिलेंगे। ✓ संवाद को आगे बढाने के अवसर दें। ✓ छोटे–छोटे प्रश्नों के उत्तर लिखने के अवसर दें। ✓ चंद्रबिन्दु , संयुक्ताक्षर की समझ विकसित करने के अवसर दें। ✓ इस पाठ को अभिनय द्वारा करने के अवसर दें। ✓ पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 150–151 तथा 158–159 करने के अवसर बच्चों को दें।	4
सीखने का प्रतिफल	**अध्याय**	**अधिगम संकेतक**	**सुझावात्मक प्रक्रिया**	**अवधि (दिनों में)**
✓ चित्रों में घट रही घटनाओं और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के रूप में समझते हैं। ✓ चित्रों को देखकर कहानी बनाते हैं। ✓ घटनाक्रम के आधार पर प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे	लालची कुत्ता (चित्रकथा)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ घटनाक्रम के अनुसार कहानी सुनाना।	✓ बच्चों को अपनी भाषा में बोलने के अवसर हों। ✓ पाठ में दिए गए चित्र के आधार पर कहानी बनानें के अवसर हो। ✓ चित्रों के आधार पर बातचीत करनें के अवसर हों, जैसे– कुत्ता को क्या मिला? रोटी पानी में कैसे गिर गई? आदि ✓ कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, उन्हें अनुभव के संसार से जोड़ने	4

गए प्रश्नो के उत्तर देते हैं। ✓ अनुस्वार एवं संयुक्ताक्षर को समझते हैं।			के अवसर हों। ✓ अनुस्वार संयुक्ताक्षर की समझ विकसित करने के अवसर हों। ✓ पुल निर्माण में लगने वाली वस्तुओं के बारे में बातचीत, तथा पुल के होने से लाभ एवं न होने से परेशानियों पर बातचीत करने के अवसर हो। ✓ पृष्ठ सं0 165–171 पर बच्चों को कार्य करने के अवसर दें।	
✓ चित्रों को संदर्भानुसार अनुमान से पढ़ने की कोशिश करते हैं।	दो दोस्त (कहानी)	✓ बच्चों से हाव–भाव के साथ कहानी सुनना–सुनाना। ✓ दो दोस्त कहानी के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ पात्रों के बारे में बातचीत करना। ✓ विभिन्न घटनाक्रम को क्रमवार बताना।	✓ बच्चों को अपनी भाषा में बोलने के अवसर दें। ✓ हाव–भाव के साथ कहानी सुनने–सुनाने के अवसर दें। ✓ कहानी के घटनाक्रम, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में कहने–सुनने के अवसर दें। ✓ कहानी को अनुमान से पढ़ने के अवसर दें। ✓ बच्चों से उनके दोस्तों के बारे में बातचीत करें तथा उन्हें बोलने के अवसर दें, जैसे– आप अपने दोस्तों का नाम बताएँ उनको क्या–क्या पसंद है? ✓ कहानी का अभिनय करने का अवसर बच्चों को दें। पृष्ठ सं0 174–182 पर कार्य करने के अवसर बच्चों को दें।	3

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–3

विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री।

कक्षा– 03 (कक्षा– 02 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा – 03 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्यदिवस की सामग्री।)

कक्षा–03 विषय–हिन्दी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे ध्यानपूर्वक सुनते हैं एवं सहजता से अपनी भाषा में बोलते हैं। ✓ चित्रों के सहारे स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं। ✓ निजी अनुभवों को साझा करते हैं। ✓ चित्र देखकर उससे संबंधित प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हैं।	हँसते–खेलते	✓ पूर्व अनुभवों के आधार पर चित्रों के बारे में बातचीत करना। ✓ छोटे–छोटे प्रश्न पूछना। ✓ आस–पास पायी जाने वाली वस्तुओं के नाम एवं उनके बारे में बताना। ✓ सुनी हुई बात को अपनी भाषा में बोलना। ✓ बच्चों द्वारा आपस में एक दूसरे का नाम एवं परिवार के सदस्यों का नाम पूछना।	✓ बच्चों को उनके निजी जीवन से जोड़ते हुए उनके आसपास के परिवेश के बारे में बताएँ, जैसे– आपके आस–पास कौन–कौन से जानवर पाए जाते हैं? प्रकृति से जुड़े शब्दों जैसे वर्षा, बादल, झरना, आदि से संबंधित बात करने के अवसर दें। ✓ बच्चों को अपनी भाषा में बोलने का अवसर दें। ✓ बच्चों से उनके मनपसंद खेल और मनपसंद चीजों के बारे में बात करें, और उन्हें अपनी पसंद की चीजों के बारे में बताने के अवसर दें। ✓ बच्चों को खेल खेलने के अवसर दें एवं बीच–बीच में प्रश्न होता रहे, जैसे– पंखे जैसे किसके कान? किसकी चोंच लाल –लाल? कौन बोले म्याऊँ–म्याऊँ? बकरी कैसे बोले? ✓ (अंकुर वर्ग–2) पृष्ठ संख्या 2,4,6,7 को करने का अवसर बच्चों को दें।	05
✓ चित्रों के आधार पर स्वतंत्र अभिव्यक्ति देते हैं।	कौआ और लोमड़ी (चित्रपठन)	✓ चित्रों को जोड़ते हुए कहानी सुनना एवं अनुमान लगाना।	✓ दिए गए चित्र के आधार पर कहानी बनाने/कहानी को आगे बढ़ाने के अवसर दें।	4

✓ चित्र को देखकर घटना को व्यक्त करते हैं। ✓ चित्रों को देखकर कहानी बनाते हैं और सुनाते हैं। ✓ कहानी सुनाने, बातचीत में कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता आदि दिखाते हैं।		✓ कहानी को सही घटनाक्रम में बताना। ✓ बात को आगे बढ़ाने हेतु कल्पना, चिंतन आदि करना। ✓ संवाद (छोटे–छोटे वाक्य) लिखने की कोशिश करना। ✓ बच्चों को कहानी से संबंधित प्रश्न पूछने के अवसर देना।	✓ कौआ, लोमड़ी, रोटी आदि पर बातचीत करने के अवसर दें। जैसे– कौआ का रंग कैसा होता है? वह कैसे बोलता है? ✓ चित्रकथा को बच्चों से अभिनय तथा संवादात्मक शैली में प्रस्तुत करने के अवसर दें। ✓ बच्चों को कल्पना, चिंतन, विश्लेषण करनें के अवसर दें। जैसे– अगर कौआ रोटी नहीं गिराता तो क्या होता? आप लोमड़ी होते तो क्या करते? कौआ कहाँ बैठा था? ✓ पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 19,20,22 पर बच्चों को कार्य करने के पर्याप्त अवसर दें।	
✓ सुनी हुई कविता से अपने अनुभव को जोड़ पाते हैं और उसके बारे में बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ चित्रकला को स्वयं की अभिव्यक्ति का माध्यम बनाते हैं। ✓ भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मजा लेते हैं। जैसे– मोर–चोर, अटकन–चटकन, रेल–जेल।	पाठ–3 नानी तेरी मोरनी (कविता)	✓ एकल/छोटे/बड़े समूह में मजे के साथ गाना। ✓ परिचित संदर्भ में बातचीत करना। ✓ चित्रकारी के द्वारा अपने को अभिव्यक्त करना। ✓ स्थानीय गीतों को गाना।	✓ बच्चों की समझ, पूर्वज्ञान एवं उनकी भाषा की प्राथमिकता सुनिश्चित हो एवं घर की भाषा में बात करने का अवसर दें। ✓ कविता का गायन एकल एवं छोटे या बड़े समूह में सस्वर एवं हाव–भाव के साथ करने के अवसर दें। ✓ परिचित संदर्भ में बातचीत करनें के अवसर दें, जैसे– रिश्ते, रेलगाड़ी, थानेदार, रूठना, मनाना आदि। आप नानी के घर कब जाते हैं ? आपकी नानी को आपकी माता जी क्या कहती हैं? मोर कैसा होता है ? वह क्या खाता है ? आदि प्रश्न पूछने के अवसर दें। ✓ बच्चों को अपनी समझ, विचार आदि को अभिव्यक्त करने के लिए चित्रकारी के अवसर हों, चित्र, पाठ से संबंधित या	4

			बाहर के भी हो सकते हैं। रेलगाड़ी बनवाकर उससे होने वाले लाभों एवं कार्यों पर एक–एक पंक्ति पूछने के अवसर दें। ✓ शिक्षक पहले अपनें स्वर में कविता का गायन करें एवं पीछे से बच्चों को सस्वर वाचन के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराएँ। बीच–बीच में शिक्षक बच्चों से चर्चा कर सकते है, जैसे– चोरों वाला डिब्बा कटके पहुँचा सीधे...। नानी तेरी मोरनी को कौन ले गया? ✓ पाठ्यपुस्तक की – 24,26 और 28 को करने के पर्याप्त अवसर दें।	
✓ बच्चे तुकांत शब्दों को पहचानते हैं। ✓ पाठ की विषय–वस्तु को अपने दैनिक जीवन से जोड़कर देखते हैं। ✓ बातों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।	प्रभु मेरा जीवन हो सुन्दर (प्रार्थना)	✓ कविता को छोटे या बड़े समूह में सहज भाव से गाना। ✓ समान लय वाले शब्दों को पहचानना और उनकी सहायता से तुकान्त गीत या कविता बनाने या गाने की कोशिश करना। ✓ कविता में आए शब्दों/पंक्तियाँ जैसे–पानी सुन्दर,वाणी सुन्दर, मन हो सुन्दर,तन हो सुन्दर आदि पर अपनी राय/विचार देना।	✓ छोटे या बड़े समूह में सस्वर गायन करने के अवसर हों। ✓ पाठ में आए परिचित संदर्भ में बातचीत करनें के अवसर हों, जैसे– सुन्दर वाणी का क्या मतलब है? कपड़े सुन्दर कैसे रहेंगे? ✓ बच्चों से उनकी इच्छाओं के बारे में पूछे तथा उसे बतानें के अवसर दें। उनसे पूछें कि यदि उन्हें अपने ईश्वर से माँगना होगा तो वे क्या माँगेंगे? सुन्दर जीवन के लिए किससे प्रार्थना की जा रही है? ✓ कोई अन्य प्रार्थना यदि बच्चा सुनाना चाहे तो उसे पर्याप्त अवसर दें। ✓ पृष्ठ संख्या 30 और 31 को करने के पर्याप्त अवसर दें। ✓ तुकांत/एक जैसे शब्दों को चुनकर बोलने एवं लिखने के लिए बोलें।	3

✓ बच्चे सुनी और पढ़ी कहानियों से अपने अनुभव जोड़ पाते हैं और उस पर बातचीत करते हैं। ✓ समझकर पढ़ने की कोशिश करते हैं। ✓ कहानी, घटना या पात्रों के बारे में लिखने की कोशिश करते हैं। ✓ अपनी कल्पना से कहानी आगे बढ़ाते हैं।	दो बकरियाँ (कहानी)	✓ कहानी को अपनी भाषा और अंदाज में सुनना। ✓ कहानी के घटनाक्रम और पात्रों पर अपनी राय देना। ✓ कहानी को समझकर पढ़ने का प्रयास करना। ✓ कहानी, पात्र, घटना आदि के बारे में लिखने की कोशिश करना।	✓ कहानी को अपनी भाषा में सुनाने के अवसर दें। ✓ बच्चों को कहानी समझते हुए पढ़ने की गतिविधि वर्ग कक्ष में हो एवं उससे संबंधित प्रश्न पूछें, जैसे– घास कैसी थी? पेड़ से नाले पर क्या बन गया था ? ✓ कहानी के पात्रों के विषय में, घटनाओं के विषय में लिखने की कुशलता विकसित करने के अवसर दें। जैसे– भूरी बकरी पुल पर क्यों बैठी ? ✓ पाठ में आए शब्दों पर चर्चा के अवसर दे। जैसे– उजली का उल्टा अर्थ क्या होगा ? साफ का उल्टा क्या होगा ? मोटा का उल्टा क्या होगा ? ✓ जंगल के विषय में चर्चा के अवसर दें। जंगल में क्या–क्या पाया जाता है? जंगल में कौन–कौन से जानवर पाये जाते हैं? ✓ पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास को हल करने के पर्याप्त अवसर दें।	6
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। घटनाक्रम को समझते हैं। ✓ मौसम के बारे में बताते हैं। ✓ फसल के बारे में बताते हैं। ✓ प्रश्न निर्माण करते हैं।	किसान, आलू और भालू (कहानी)	✓ बच्चों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाना। ✓ कहानी के पात्रों और घटनाओं के बारे में बातचीत करना। ✓ बच्चों से मौसम और फसलों के बारे में बातचीत करना। ✓ बच्चों से फलों और सब्जियों के बारे में बातचीत करना।	✓ बच्चों से कहानी के शीर्षक के बारे में बातचीत करें और उन्हें किसान, आलू, और भालू के बारे में बोलने के पर्याप्त अवसर दें। ✓ कहानी को अपनी भाषा में बोलने या सुनाने एवं जंगल के बारे में बातचीत के अवसर दें। ✓ प्रश्न के माध्यम से पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ना, जैसे– आलू की खेती कैसे होती हैं ? क्या आप के यहाँ	6

			खेती होती हैं ? आलू से क्या–क्या बनता हैं ? ✓ बच्चों से मौसम के बारे में बातचीत करें एवं मौसमी फल से संबंधित प्रश्न करें, जैसे– आलू की खेती किस मौसम में होती हैं ? ✓ बच्चों से चर्चा करें कि अगर वे भालू की जगह होते तो क्या करते ? भालू और शेर कैसा होता है? कहाँ रहता है? क्या खाता है? आदि प्रश्न हो एवं बच्चों को उत्तर देनें के अवसर हों। ✓ भालू ''नौ दो ग्यारह'' हो गया इसका क्या अर्थ होगा ? ✓ आपको कौन–कौन सा खेल खेलने में मजा आता है? उत्तर देने के पर्याप्त अवसर दें। ✓ पृष्ठ संख्या 78, 80, 82, 83, 84 एवं 85 को करने के पर्याप्त अवसर दें।	
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ अपनी कल्पना से छोटी–छोटी तुकांत कविता बनाते हैं और सुनाते हैं। ✓ कविता के आधार पर प्रश्न पूछते हैं और पूछे गए प्रश्नों के जवाब देते	अगर पेड़े भी चलते होते (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ कविता में आए मुख्य बिंदुओं पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना। ✓ 'अगर पेड़ भी चलते होते' जैसे प्रश्न के द्वारा बच्चों को कल्पना करने के अवसर देना, जैसे– 'अगर जानवर भी उड़ते तो	✓ कविता को हाव–भाव के साथ बच्चों को गायन के अवसर दें और उन्हें कविता सुनाने का अवसर दें। ✓ बच्चों को कल्पना करने के अवसर दें, जैसे– अगर आपको पंख मिल जाए तो आप क्या करेंगे? ✓ बच्चों को बोलने के पर्याप्त अवसर दें। और चर्चा करे कि आप धूप से बचने के लिए क्या–क्या करते हैं? अगर पेंड़ समाप्त हो जाए तो हमें क्या–क्या नहीं मिल पाएगा ?	4

हैं।			✓ पृष्ठ संख्या 89, 90, 92, और 93 को हल करनें के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करायें।	
✓ अपनी निजी जिंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को पाठ से जोड़ते हुए प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ दिए गए शब्दों से वाक्य बनाते हैं। ✓ चन्द्रबिन्दु का प्रयोग करते हैं।	हाँ जी हाँ, ना जी ना (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहजता से बोलना। ✓ कविता को सुनकर उसके आधार पर आपस में बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ खेल खेल में हाव–भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ चन्द्रबिंदु का प्रयोग कहाँ हो इसकी समझ एवं प्रयोग करना।	✓ कविता से बच्चों को जोड़ना, जैसे यदि आप को कपड़ा धोना हो तो आप कैसे धोएँगे? गंदे कपड़े क्यों नहीं पहनने चाहिए? ✓ इस कविता को एकल एवं समूह में बच्चों को गाने के अवसर दें। ✓ चन्द्रविन्दु के प्रयोग के बाद उसका उच्चारण कैसे होगा एवं चन्द्रबिन्दु का प्रयोग कहाँ होगा इसका अवसर दें। जैसे– ऊट–ऊँट, जहा–जहाँ, चाद–चाँद, माद–माँद इत्यादि। ✓ चन्द्रबिन्दु वाले शब्दों को छाँट कर लिखने को कहा जा सकता है। जैसे–बाँध ✓ पाठ में दिये गए अभ्यास के प्रश्न को हल करने संबंधी गतिविधियाँ करने के अवसर दें।	4
✓ एकांकी (पाठ) के आधार पर बच्चे बातचीत करते हैं एवं अपनी प्रतिक्रिया मौखिक/लिखित/सांकेतिक रूप में देते हैं। ✓ बच्चे आपस में प्रश्न पूछते हैं एवं जवाब भी देते हैं। ✓ एकांकी की घटना को अपनी भाषा में सुनाते हैं।	चूँ–चूँ की टोपी (एकांकी)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ चूँ–चूँ की टोपी पाठ के आधार पर बातचीत करना, प्रश्न करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ हाव–भाव के साथ पाठ को पढ़ना एवं अभिनय करना।	✓ एकांकी के आधार पर बातचीत करनें के लिए अवसर दें जैसे– चूँ–चूँ दर्जी के पास क्यों गया? दर्जी क्या–क्या बनाता है? ✓ बच्चों को प्रश्न करने एवं आपस में उत्तर देने के अवसर दें। जैसे– चूहा को किस रंग का कपड़ा मिला? टोपी पहननें के क्या–क्या फायदे हैं? ✓ हमारे समाज में कौन सा कार्य कौन करता हैं इसको पूछेंगे एवं उत्तर देने के अवसर देंगे। जैसे– नाई क्या करता हैं? धोबी क्या करता हैं? हमारा कपड़ा कौन	5

			बनाता है? ✓ चूहे क्या–क्या नुकसान करते है? बच्चों को समूह में बाँटकर चूहे के ऊपर दो–दो वाक्य सभी को बोलनें के अवसर दें। ✓ पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 126,127,130 एवं 131 को हल करनें के पर्याप्त अवसर दें।	
✓ 'मेला' के बारे में मौखिक और लिखित विचार प्रकट करते हैं। ✓ अपनी कल्पना से कविता को आगे भी बढ़ा सकते हैं। ✓ भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों को समझ सकते हैं।	पाठ–18 मेला (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ कविता के शीर्षक के बारे में बातचीत करना। ✓ बच्चों के निजी जीवन से मेला को जोड़ना, जैसे– आपने मेला कब और कहाँ देखा है? ✓ कविता में आए समान लय वाले शब्दों की पहचान करना एवं उनका वाक्य में प्रयोग करवाना। ✓ मेला के बारे में बच्चों से कुछ पंक्तियाँ बोलने के लिए कहना।	✓ बच्चों के साथ मेला कविता का हाव–भाव के साथ गायन करवायेंगे। ✓ 'मेला' शीर्षक के आधार पर बातचीत के अवसर दें ।जैसे– आपने मेला देखा है? आपको मेला में क्या–क्या अच्छा लगता है? बच्चों को मेला से संबंधित अनुभव को बताने के अवसर दें। ✓ बच्चों से पर्व – त्योहार के विषय में बातचीत करें उवं उनसे जानें कि आपके आस–पास कब–कब मेला लगता है? ✓ समान लय वाले शब्दों को चुनने, बोलने के अवसर दें। जैसे मेला–ठेला आदि। ✓ एक से अनेक पर चर्चा करें जैसे झूला–झूले केला–केले, चूहा–चूहे आदि। ✓ बच्चे अपनें मनोरंजन के लिए कहाँ–कहाँ घूमना पसंद करते हैं? इसके बारे में बोलने के अवसर दें। ✓ पृष्ठ संख्या 137, 138, 139 एवं 141 को हल करवाने का पर्याप्त अवसर दें।	4
✓ चिट्ठी के विषय में बातचीत करने के साथ	निशा की चिट्ठी	✓ पत्र के ऊपर चर्चा करना। ✓ पत्र के विषय में बताना कि वह कैसे	✓ पत्र के विषय में बातचीत करने के अवसर देना एवं मौखिक प्रश्न करना कि पत्र	5

मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ लिखित पाठ से शब्द, अक्षर, वाक्य की अवधारणा को समझते हैं।	(पत्र)	निर्धारित जगह पर पहुँचता है। ✓ समझ के साथ पढ़ना।	किसको लिखा गया है? पत्र का क्या महत्त्व है? ✓ आपको अगर पिताजी से कुछ माँगना होता है तो कैसे माँगते हैं? अगर पिताजी दूर होते तो आप उनसे किन साधनों से बाते करेंगे ? ✓ बच्चों को प्रश्न के बाद उत्तर देने के अवसर देना जैसे– चिड़ियाघर मे कौन–कौन से जानवर थे? पत्र किसने लिखा है? ✓ अभ्यास प्रश्न हल करते हुए संयुक्ताक्षर पर चर्चा के अवसर दें। जैसे– आइसक्रीम, लिट्टी। ✓ पाठ में दिये गए अभ्यास को हल करने के अवसर दें।	
✓ अपनी निजी जिंदगी और परिवेश पर आधारित पर्वो के बारे में जानते हैं। ✓ दिए गए शब्दों से वाक्य बनाते हैं। ✓ समान लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं।	होली (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ कविता का पठन–पाठन करना। ✓ कविता के आधार पर अन्य पर्वो के बारे में बातचीत करना। ✓ बच्चों के परिवेश से जुड़े पर्वों के बारे में बातचीत करना और उन्हें बोलने के अवसर देना। ✓ किसी अन्य त्योहार से जुड़ी कविता को सुनाना/बच्चों को बोलने के लिए कहना। ✓ समान लय वाले शब्दों को बोलना एवं लिखना।	✓ हाव–भाव के साथ कविता गायन करने के अवसर देना। ✓ बच्चों से होली एवं अन्य त्योहारों के बारे में बातचीत करना। बच्चों को बोलने के अवसर देना। वे होली कैसे मनाते हैं? उनको कौन सा रंग अच्छा लगता है? वे होली के दिन क्या खाते हैं? वे होली क्यों मनाते हैं? इत्यादि। ✓ पाठ के प्रश्नों को मौखिक/लिखित हल करने के अवसर दें। ✓ अपनी कल्पना/समझ से कविता में आगे की पंक्ति जोड़ने का अवसर दें। सब मिलकर होली मनाएँ, सबको रंग–अबीर लगाएँ।	5

			✓ अगर किसी बच्चे को होली गीत याद हो तो उसे अपने शब्दों में गाने का अवसर हो। ✓ शब्दों से वाक्य बनवाने के अवसर हो। ✓ शब्दों से वाक्य बनवाने के अवसर हों। जैसे– पिचकारी, गुलाल, पुआ, ढोल इत्यादि ✓ पृष्ठ संख्या 156, 157, 158,160, 162 को हल करने के पर्याप्त अवसर दें।	
✓ बच्चे ध्यानपूर्वक सुनते हैं एवं सहजता से अपनी भाषा में इसपर बातचीत करते हैं। ✓ आपस में पहेलियों को पूछते हैं एवं उत्तर देते हैं। ✓ निजी अनुभव के आधार पर अनुमान लगाते हैं। ✓ चित्र को देखकर अनुमान लगाते हैं। ✓ पाठ में आए अक्षर, वर्ण, वाक्य की समझ दर्शाते है।	पहेलियाँ (कविता)	✓ छोटे/बड़े समूह में मजे के साथ सस्वर गाना एवं प्रश्न पूछना। ✓ दिए गए चित्र से पहेलियों को जोड़ना एवं पूछना कि कौन सा चित्र किस पहेली का हल हैं । ✓ संदर्भ के आधार पर प्रतिक्रिया देना। ✓ पहेलियाँ कैसे हमारे सोचने की शक्ति को बढ़ाती हैं इसको ध्यान में रखना।	✓ बच्चों की समझ, उसका पूर्वज्ञान, एवं भाषा की प्राथमिकता का ध्यान रखते हुए प्रयोग के अवसर हो। ✓ बातचीत में कल्पना, चिंतन, विश्लेषण हेतु आवश्यक मुद्दे रखे जा सकते हैं, जैसे –इस पहेली का जवाब क्या और क्यों होगा ? ✓ बच्चों को आपस में पहेलियाँ बूझने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। ✓ पाठ के माध्यम से उन्हें अगल–बगल की वस्तुओं की जानकारी एवं उनकी आवश्यकता पर चर्चा के अवसर हों जैसे पहेली 4 का उत्तर 'छाता' होगा। उसकी क्या आवश्यकता हैं? इत्यादि। ✓ खून कौन पी जाता है? उसके काटने से कौन–कौन सी बीमारियाँ हो सकती हैं?	5

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–4

विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री।

कक्षा– 04 (कक्षा– 03 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा – 04 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्यदिवस की सामग्री।

कक्षा–04 विषय–हिन्दी

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ बच्चे कविता को लय बद्ध तरीके से हाव–भाव के साथ गायन करते हैं। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ संदर्भ के अनुसार शब्द एवं वाक्य का प्रयोग करते हैं। ✓ नये शब्दों के संदर्भ को समझकर उसका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।	पाठ – 1 प्रार्थना (कविता)	✓ बच्चों द्वारा कविता को लयबद्ध तरीके से हाव–भाव के साथ गायन करना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ लिखते समय संदर्भ के अनुसार उपयुक्त शब्दों/वाक्यों का प्रयोग करना ।	✓ बड़े समूह में शिक्षक द्वारा कविता का लयबद्ध एवं हाव–भाव के साथ सस्वर गायन किया जाएगा तत्पश्चात् बच्चों से एकल रूप से कविता का गायन कराया जाएगा। ✓ बच्चों को पाठ से सम्बन्धित प्रश्न पूछकर बोलने का पर्याप्त अवसर दिया जाएगा। ✓ बच्चों द्वारा पूर्व के वर्ग की कविता जो याद हो उसको लयपूर्वक गाने के लिए बारी–बारी से मौका दिया जाएगा। ✓ पाठ से सम्बन्धित शब्दों का चयन कर उसे वाक्य में प्रयोग करने का अवसर दिया जाएगा। ✓ पाठ के अभ्यास की क्र0 सं0 1,2,3 को करने हेतु बच्चों को अवसर दिया जाएगा।	08
✓ भाषा की बारीकियों, जैसे– संज्ञा, विलोम शब्द आदि को पहचानते हैं एवं प्रयोग करते हैं।	पाठ–2 प्रतीक्षा (प्रेरक प्रसंग)	✓ उलटे अर्थ वाले शब्द लिखना । ✓ नाम वाले (संज्ञा) शब्द पहचानना। ✓ लिखते समय संदर्भ के अनुसार शब्दों/वाक्यों का प्रयोग करना। ✓ समझ के आधार पर प्रश्न बनाना एवं	✓ उलटे अर्थ वाले शब्द बनाने के अवसर हों, जैसें– अच्छा–बुरा। ✓ नाम वाले (संज्ञा) शब्दों के बारे में बताने एवं पाठ में से ढूँढ़ने के अवसर हों। ✓ 'प्रतीक्षा' शीर्षक प्रेरक प्रसंग के आधार	8

✓ पाठ आधारित बातचीत करते हैं एवं मौखिक / लिखित प्रतिक्रिया देते हैं।		पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना।	पर बच्चों से सवाल पूछने और जवाब देने की गतिविधि हों, जैसें– झरने का पानी गंदला कैसे हो गया था ? ✓ 'प्रतीक्षा' पाठ के अभ्यास क्र0सं0 3,6 एवं 9 को बच्चे को करने का अवसर दें।	
✓ कहानी अपनी भाषा में सुनाते हैं। ✓ पाठ से पूछे गये प्रश्नों का लिखित एवं मौखिक ✓ उत्तर देते हैं। ✓ परिचित संदर्भ में चित्रों और छपी सामग्री को पढ़ते हैं।	पाठ–4 बब्बन बंदर (कहानी)	✓ हाव–भाव के साथ कहानी सुनाना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं पूछे गये प्रश्नों की लिखित एवं मौखिक प्रतिक्रिया देना। ✓ परिचित संदर्भों , चित्रों एवं छपी सामग्री को पढ़ना।	✓ बच्चों को अपनी भाषा में बोलने के अवसर हों। ✓ कहानी को हाव–भाव के साथ सुनने सुनाने के अवसर हों। ✓ पाठ के आधार पर प्रश्नोत्तरी करने के अवसर हों जैसे– गब्बर शेर ने बब्बन को क्यों इनाम दिया? ✓ परिचित संदर्भ में चित्रों और छपी सामग्री को पढ़ने का अवसर हों। ✓ हिंदी पुस्तक के पाठ 'बब्बन बंदर' के अभ्यास क्र0सं0 1 एवं 2 को बच्चों से करवाएँ।	6
✓ भाषा की बारीकियों, यथा– संज्ञा, सर्वनाम आदि की पहचान और प्रयोग करते हैं। ✓ कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी बात जोड़ते हैं।	पाठ–5 खूब मजे हैं मौसम के (कविता)	✓ लिखते समय संज्ञा एवं सर्वनाम का सही प्रयोग करना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं अपनी प्रतिक्रिया देना।	✓ पाठ से संज्ञा एवं सर्वनाम को ढूँढ़ने के अवसर हों। ✓ पढ़ी जाने वाली रचना ''खूब मजे हैं मौसम के'' बच्चों के निजी जीवन से जोड़े, जैसे– आपको कौन सा मौसम अच्छा लगता है और क्यों? ✓ 'खूब मजे है मौसम के' पाठ के अभ्यास क्रसं0 1,2,3 एवं 7 को बच्चों से करवाएँ।	6
✓ बच्चे समान ध्वनि वाले शब्द बनाते हैं एवं उनका सृजनात्मक	पाठ–6 जंगल में सभा	✓ समान ध्वनि वाले शब्द बनाना। ✓ लिखने में विराम चिह्नों का प्रयोग करना।	✓ समान ध्वनि वाले शब्द बनाने के अवसर हों, जैसे– केला–मेला ✓ विराम चिह्नों के प्रयोग के अवसर हों।	6

उपयोग करते हैं। ✓ बच्चे लिखने में विराम चिह्नों का प्रयोग करते हैं।	(खुली कहानी)		✓ 'जंगल में सभा' पाठ के अभ्यास का क्र0 सं0–3,4,5 एवं 6 को बच्चों को करने के अवसर दें।	
✓ बच्चे पत्र के स्वरूप को समझते हैं एवं छोटे–छोटे पत्र लिखते हैं। ✓ विलोम शब्द/विशेषण वाले शब्दों को बताते हैं। ✓ दिये गये शब्दों से वाक्य बनाते हैं।	पाठ–13 राजगीर (पत्र)	✓ पत्र के स्वरूप को समझना एवं पत्र लिखना। ✓ विलोम शब्द/विशेषण वाले शब्द आदि को पहचानना। ✓ शब्द से वाक्य बनाना।	✓ पत्र के स्वरूप पर बातचीत करने एवं पत्र लिखने के अवसर हों। ✓ पाठ से विशेषण शब्दों के पहचान के अवसर हों। ✓ शब्दों से वाक्य बनाने के अवसर हों। ✓ 'राजगीर' पाठ के अभ्यास के कं0 सं0 – 10 को बच्चों को करने का अवसर दें।	6
✓ कविता में निहित भाव को बताते हैं। ✓ व्याकरणिक तत्वों को पहचानते है एवं दैनिक जीवन मे प्रयोग करते हैं।	पाठ–18 हम सब (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ एकल या छोटे समूह में गायन करना। ✓ कविता में निहित भाव को बताना। ✓ व्याकरणिक तत्वों को पहचानना एवं उनका उपयोग करना।	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करने के अवसर हों। ✓ अर्थ/भाव से मिलती जुलती हुई पंक्ति कविता में ढूँढ़ने के अवसर हों। ✓ व्याकरणिक तत्वों, जैसे– संज्ञा, सर्वनाम विशेषण को पहचानने एवं पाठ से सूची बनाने के अवसर हों। ✓ 'हमसब' पाठ कविता के अभ्यास के क्र0सं0– 3,5,एवं 6 को बच्चों को करने के अवसर दें।	6
✓ विलोम शब्द/विशेषण शब्दों को बताते हैं। ✓ मुहावरों का प्रयोग करते हैं।	पाठ–15 साहसी इंदिरा (बाल्य जीवन। चित्र)	✓ विलोम शब्द/ विशेषण वाले शब्दों को पहचानना। ✓ मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करना।	✓ पाठ से विशेषण शब्दों की पहचान के अवसर हों। ✓ पाठ में प्रयुक्त मुहावरों को पहचानने एवं उनके वाक्यों में प्रयोग करने के अवसर हों। ✓ पाठ के प्रश्नों को हल करने के अवसर	6

			हों। ✓ 'साहसी इंदिरा' पाठ के अभ्यास कं0 सं0– 7एवं 8 को बच्चों को करने का अवसर दें।	
✓ विभिन्न खेलों के विषय में बताते है। ✓ संदर्भ के अनुसार लिखते हैं। ✓ बच्चे पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हैं।	पाठ–20 खेल–खेल में (वार्त्ता)	✓ विभिन्न खेलों के बारे में बताना। ✓ खेलों के विषय में कुछ पंक्तियाँ लिखना। ✓ प्रश्न पूछना।	✓ पाठ के विषय में बातचीत करने के अवसर हों, जैसे– आपको कौन सा खेल सबसे ज्यादा पसंद है और क्यों? ✓ पाठ में आए विभिन्न खेलों के विषय में चर्चा के अवसर हों, जैसे– फुटबॉल, क्रिकेट इत्यादि। ✓ विभिन्न खेलों के विषय में बच्चों को राय बताने के अवसर हों। ✓ किसी खेल के विषय में कुछ पंक्तियाँ लिखने के अवसर हों। ✓ विभिन्न खेलों के विषय में बच्चों को राय बताने के अवसर हों। ✓ 'खेल–खेल में ' पाठ के अभ्यास क्र0स0 1,6 एवं 9 को बच्चों को करने का अवसर दें।	8

बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु सामग्री

कक्षा–5

विषय–हिन्दी

सहयोग– बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार
अकादमिक सहयोग– यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शैक्षणिक सत्र 2021–2022 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री।

कक्षा– 05 (कक्षा– 04 के बच्चे जो सत्र 2021–2022 में कक्षा – 05 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्यदिवस की सामग्री।)

Class-v Subject -Hindi

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक	सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनों में)
✓ पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं एवं मौखिक / लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ घटना क्रम एवं पात्रों के संबंध में अपनी राय देते हैं। ✓ कहानी से संबंधित कुछ पंक्तियाँ लिखते हैं एवं मिलती –जुलती अन्य कहानी बोलते एवं लिखते हैं। ✓ भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा का निर्माण करते हैं। ✓ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्दों की पहचान करते हैं।	पाठ –02 चार मित्र (कहानी) विष्णु शर्मा (पंचतंत्र से)	✓ हाव–भाव के साथ कहानी सुनाना। ✓ कहानी की घटनाओं एवं पात्रों के बारें में बताना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ अनुमान एवं कल्पना के आधार पर कहानी को आगे बढ़ाना।	✓ हाव–भाव के साथ बच्चों को कहानी पढ़कर सुनाना एवं बच्चों को पढ़ने एवं सुनने के लिए प्रेरित करना। ✓ कहानी को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ें,जैसे –आपके कौन–कौन मित्र है? अपने मित्रों के साथ आप क्या–क्या करते है? ✓ घटनाक्रम एवं पात्रों, जैसे शिकारी, कछुए, हिरण, कौए के विषय में बातचीत करने के अवसर हों। ✓ प्रश्न का निर्माण करने एवं प्रश्नों को हल करने के अवसर हों। ✓ पंचतंत्र की अन्य कहानियों को पढ़ने एवं सुनने के लिए प्रेरित करना एवं चित्र के आधार पर नई कहानी लिखने के लिए अवसर देना। ✓ पाठ से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण शब्दों को छाँटने एवं इन शब्दों की जानकारी प्राप्त करने के अवसर हों।	07
✓ बच्चे पाठ का लयात्मक वाचन करते हैं,उस पर	पाठ–07 सीखो (कविता)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से वाचन करना।	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करते है, एवं बच्चों को गायन के	6

बातचीत करते हैं एवं मौखिक / लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ संदर्भ के अनुसार शब्दों का प्रयोग करते हैं। ✓ पढ़ी हुई सामग्री के साथ निजी अनुभवों को जोड़ते है एवं मौखिक, लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ समानार्थी शब्दों को जानते हैं एवं शब्दों का वाक्य में प्रयोग करते हैं।	श्रीधर पाठक	✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करना। ✓ पढ़ी गई रचना के आधार पर प्रश्न पूछना एवं उत्तर देने के अवसर देना।	अवसर देते हैं। ✓ पाठ को बच्चों के निजी जीवन से जोड़ते हैं, जैसे– हम प्रकृति के विविध चीजों से क्या–क्या सीखते हैं, किन कार्यो को सीखने में मजा आता है? ✓ अभ्यास के प्रश्नों को हल करने के अवसर हो, तरु, लता, जीव, पृथ्वी, शीश इत्यादि के अर्थ को समझाते हुए समानार्थी शब्द एवं पाठ में आए अन्य शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने के अवसर हों। ✓ कविता को बोलकर पढ़ने, सुनने, और सुनी, देखी, पढ़ी बातों को बोलकर अपनी–अपनी भाषा में कहने एवं लिखने के अवसर एवं प्रोत्साहन उपलब्ध हों।	
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं, मौखिक / लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ संदर्भ के अनुसार कुछ पंक्तियाँ लिखते हैं। ✓ सुनीता से मिलती जुलती किसी अन्य व्यक्ति के जीवन की समस्या को समझते हैं। ✓ भाषा की बारीकियों को समझते हुए दैनिक जीवन में प्रयोग करते हैं।	पाठ–8 सुनीता की पहियाकुर्सी (कहानी)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ समझते हुए पढ़ना। ✓ कहानी के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना। ✓ संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया को समझना एवं उनका प्रयोग करना।	✓ कहानी को संक्षेप में सुनाएँ। ✓ शारीरिक रूप से विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को अपने अनुभव सुनाने के अवसर दें। चर्चा के द्वारा ऐसे लोगों को हमारे समाज में किन परेशानियों का सामना करना पड़ता हैं, इसे समझने में मदद करें। ✓ हाव–भाव के साथ कहानी का वाचन करें एवं बच्चों को भी हाव–भाव के साथ अनुकरण वाचन करवाने के अवसर दें। ✓ प्रश्न निर्माण एवं प्रश्नों के उत्तर देने का अवसर हों।	7

			✓ पाठ से संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, शब्दों को छाँटने एवं नए शब्दों का वाक्य में प्रयोग करने के अवसर हों। ✓ सुनीता के साथ घटी घटनाओं को अपने मित्रों को पत्र लिखकर जानकारी देने के अवसर हों। ✓ 'सुनीता ने एक किलोग्राम चीनी खरीदी'। इस प्रसंग के माध्यम से बच्चे को नापतौल की जानकारी देने के अवसर हों।	
✓ बच्चे पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं, मौखिक/लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ एकांकी विधा के बारे में बताते हैं। ✓ संवाद लिखते हैं। ✓ पाठ के घटनाक्रम एवं पात्रों के बारे में अपनी राय देते हैं। ✓ शब्दों का सही प्रयोग करते हैं। ✓ अभिनय करने की क्षमता विकसित करते हैं। ✓ अपनी कल्पना से कहानी लिखते हुए भाषा का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं।	पाठ–10 तीन बुद्धिमान (एकांकी)	✓ एकांकी को एक साहित्यिक विधा के रूप में समझना। ✓ संदर्भ के अनुसार संवाद बोलना। ✓ एकांकी का अभिनय करना। ✓ बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ ऊँट एवं राजदरवार के संबंध में कुछ पंक्तियाँ लिखना।	✓ शिक्षक एकांकी का सारांश बच्चों को सुनाएं। ✓ पाठ को बच्चों को पढ़ने का अवसर दें। ✓ संवाद को बच्चों को बोलने का अवसर दें। ✓ बच्चों को ऊँट, राजदरवार इत्यादि के विषय में बातचीत करने का अवसर दें। ✓ बच्चों को प्रश्न निर्माण एवं प्रश्नों के उत्तर देनें के अवसर हों। ✓ पाठ के घटनाक्रम एवं पात्रों से संबंधित बातचीत एवं राय देने के अवसर हो। ✓ पाठ के व्याकरणिक तत्वों विशेषण, काल, वचन आदि से संबंधित शब्दों को ढूँढने के अवसर हों। ✓ संवाद को अपनी भाषा में लिखने के अवसर हों। ✓ पाठ से कारक चिह्नों को अलग करते हुए कारक से संबंधित जानकारी देना।	7

			लिगं, वचन इत्यादि सें संबंधित जानकारी अभ्यास के माध्यम से देना। ✓ प्रस्तुत एकांकी के मंचन का अवसर दें, जिससे बच्चे अभिनय कला एवं संवाद कला की जानकारी प्राप्त कर सकें।	
✓ पाठ को समझते हुए पढ़ते हैं। ✓ महात्मा गाँधी से संबंधित बातचीत करते है, प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ प्रश्न पूछते है, पूछे गए प्रश्नों का जवाब देते हैं। ✓ संज्ञा / सर्वनाम / विशेषण शब्दों की पहचान कर उनका प्रयोग करते हैं। ✓ स्वेच्छा से या शिक्षक के द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया को बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते है, और उसमें बदलाव करते हैं।	पाठ–12 ऐसे थे बापू (प्रेरक–प्रसंग)	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ समझते हुए पढ़ना, बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ प्रश्न पूछना एवं पूछे गए प्रश्नों का जवाब देना। ✓ महात्मा गाँधी के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखना।	✓ बापू के बारे में बच्चो को बताएँ। ✓ पाठ का सस्वर वाचन करने का बच्चों को अवसर हो। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करवाएँ, जैसे– बापू के 40 करोड़ भाई–बहन कैसे थे? ✓ प्रश्न निर्माण करने एवं प्रश्नों के उत्तर देने के अवसर हों। जैसे– दो इंच की पेंसिल मामूली नहीं थी कैसे? ✓ गाँधी जी से जुड़ी अन्य घटनाओं पर कक्षा में चर्चा करने के अवसर हों। ✓ गाँधी जी से जुड़ी घटनाओं को लिखने के अवसर हों। ✓ गाँधी जी की वेश–भूषा को बताकर वेश–भूषा का मलतब एवं अलग–अलग पोशाक के नाम की सूची बनाने का अवसर हों। ✓ पाठ में आए सर्वनाम एवं संज्ञा शब्दों की सूची बनाने का अवसर हों।	7
✓ पाठ के आधार पर बातचीत करते है, एवं प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ पत्र लेखन के स्वरूप के बारे में बताते है।	पाठ–13 चाचा का पत्र (पत्र) पं0 जवाहरलाल	✓ ध्यानपूर्वक सुनना एवं सहज भाव से बोलना। ✓ समझते हुए पढ़ना। ✓ पत्र के स्वरूप के बारे में बताना। ✓ प्रश्न पूछना एवं प्रश्नों का जवाब	✓ शिक्षक पाठ को पढ़कर सुनाएँ एवं बच्चे को पढ़ने का अवसर दें। ✓ पत्र के स्वरूप के बारे मे आपस में बच्चे को बातचीत करने का अवसर दें। एवं इस बात पर चर्चा करे कि	6

✓ पत्र लेखन का कौशल जानते हैं। ✓ नए कठिन शब्दों की समझ विकसित होती है। ✓ संज्ञा / सर्वनाम / विशेषण क्रिया के बारे में जानते है। ✓ विभिन्न स्थितियों एवं उद्देश्यों को लिखते हैं। ✓ विराम चिह्नों का प्रयोग करना जानते है।	नेहरू	देना। ✓ कठिन शब्दों का शब्दार्थ बताना। ✓ व्याकरणिक शब्दों की सूची बनाना। ✓ विराम चिह्नों का प्रयोग करना।	मोबाईल एवं टेलीफोन नही होने पर हम संदेश किस माध्यम से पहुँचाते थे? ✓ पं0 नेहरू के बारे में बातचीत करने का अवसर हों। ✓ प्रश्न निर्माण के अवसर हों। जैसे– पत्र पहुँचाने का कार्य कौन करता है? ✓ बच्चों को पंडित नेहरू के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखने के अवसर हों। ✓ व्याकरणिक शब्दों की सूची बनाने के अवसर हों। ✓ प्राकृतिक, पनपना, उन्नति, शिखर इत्यादि नए शब्दों के अर्थ समझने एवं उनके वाक्य प्रयोग के अवसर हों। ✓ विराम चिह्नों के प्रयोग के अवसर हों। जैसे– पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का इस्तेमाल करने के अवसर हों।	
✓ पाठ के आधार पर बातचीत करते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ कविता से संबंधित कुछ पंक्तियाँ लिखते हैं। ✓ नए शब्दों को संदर्भ के अनुसार समझते है और उसका उपयोग करते है। ✓ बच्चे थॉमस एडीसन एवं बल्ब के आविष्कार के बारे में बताते हैं। ✓ संज्ञा के बारे में बताते	पाठ–17 बल्ब (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन एवं सस्वर वाचन करना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ प्रश्न पूछना एवं प्रश्नों का जवाब देना। ✓ अभ्यास के प्रश्नों का हल करना। ✓ पाठ से संबंधित कुछ पंक्तियाँ लिखना।	✓ हाव–भाव के अनुसार कविता का गायन / वाचन करना एवं बच्चे को करने के अवसर हों। ✓ छोटे समूह मे कविता का गायन करने के अवसर हों। ✓ कविता को बच्चे के निजी जीवन से जोड़ने के अवसर हों। जैसे– पहले लोग शाम ढलते ही सोने क्यों चले जाते थे? ✓ लोगों ने अंधकार दूर करने के लिए किन–किन चीजों का प्रयोग किया। ✓ रोशनी की आवश्यकता क्यों पड़ी इस	6

हैं।			विषय पर बच्चे के बीच बातचीत का अवसर हो। ✓ ''रोशनी नहीं होती तो क्या होता'' प्रश्न पर बातचीत के अवसर हों। ✓ बल्व के आविष्कार पर बातचीत के अवसर हों। ✓ संज्ञा शब्दों को पाठ से चुनने के अवसर हों।	
✓ पाठ के आधार पर बातचीत करते है और प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ दशरथ मांझी के जीवन क संबंध में मौखिक और लिखित रूप में बताते हैं। ✓ पढ़ी गई बातों को निजी अनुभव से जोड़ते है एवं अपने विचारों को व्यक्त करते हैं। ✓ ग्रामीण जीवन की परेशानियों से अवगत होते हैं।	पाठ–18 बौना हुआ पहाड़ (जीवनी)	✓ हाव–भाव के साथ पढ़ना। ✓ पाठ के आधार पर बातचीत करना एवं प्रतिक्रिया देना। ✓ अभ्यास के प्रश्नों का हल करना। ✓ दशरथ मांझी के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखना।	✓ पाठ को पढ़ें एवं बच्चों को पढ़ने का अवसर हो। ✓ बच्चों को बातचीत करने एवं प्रश्न करने के पर्याप्त अवसर हों। ✓ पाठ को निजी जीवन से जोड़ते हुए अपने ग्राम मुहल्ले में लोगो की परेशानियों को साझा करने के अवसर हों। ✓ दशरथ मांझाी के गाँव का सामान्य चित्र बनाकर उसमें चौपाल, कुआँ, स्कूल, अस्पताल, इत्यादि का काल्पनिक चित्र बनाने के अवसर हों। ✓ अगर आप दशरथ मांझाी के स्थान पर होत तो क्या करते इस प्रश्न पर बच्चों के बीच बातचीत के अवसर हों। ✓ अपने गाँव एवं मुहल्ले के लोगों के जीवन को परेशानियों की सूची तैयार करने के अवसर हो। बच्चों को बताएं कि मनुष्य अगर चाहे तो किसी भी समस्या का समाधान कर सकता हैं। ✓ अगर आपके गाँव या मुहल्ले में कोई	7

			ऐसा व्यक्ति है, जो लोगों की परेशानियों को दूर करने का प्रयास करते है, तो उनपर चर्चा करें एवं पूछें कि आप उन्हें क्यों पसंद करते हैं। ✓	
✓ बच्चे हाव–भाव एवं उतार–चढ़ाव के साथ कविता का वाचन करते है, बातचीत करते है एवं मौखिक / लिखित प्रतिक्रिया देते हैं। ✓ सूर्योदय के बाद के प्राकृतिक दृश्यों की जानकारी देते है। ✓ पाठ से संबंधित सुर्योदय का चित्र बनाते हैं। ✓ व्याकरणिक इकाइयों का उपयोग करते हैं।	पाठ–19 सुबह (कविता)	✓ हाव–भाव के साथ कविता का गायन करते है, एवं शिक्षक की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हैं। ✓ सूर्योदय के दृश्य के बारे में संवाद करते हैं। ✓ प्रश्न पूछते हैं एवं पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हैं। ✓ कविता की कुछ पंक्तियों को लिखते एवं बोलते हैं। ✓ सूर्योदय का चित्र बनाते हैं। ✓ सुबह उठकर अपने–अपने काम में लग जाने वाले लोगों की सूची बनाते हैं।	✓ बच्चों को कविता का पाठ करने एवं बातचीत करने का पर्याप्त अवसर हों। ✓ कविता का गायन करने का अवसर हों। ✓ पाठ को बच्चे के निजी जीवन से जोड़ने का अवसर हो, जैसे – सुबह के समय के दृश्य की पर्याप्त चर्चा, आप सुबह उठकर क्या–क्या करते हैं? उसपर बातचीत का अवसर, सुरज निकलने पर क्या–क्या होता है उसपर बातचीत का अवसर हो। ✓ सुबह से संबंधित अन्य कविता की पंक्तियाँ लिखने एवं बोलने के अवसर हों। ✓ सुबह के दृश्य का चित्र बनाने के अवसर हों। ✓ पाठ से संज्ञा एवं सर्वनाम के शब्दों को ढूंढ़कर लिखने का अवसर हों।	7

हिन्दी

लेखन

नाम	विद्यालय/संस्थान का नाम
आदित्य नाथ ठाकुर	माउंट एवरेस्ट एम0 एस0 कंकरबाग पटना
राजमंगल तिवारी	उ0 म0 वि0 बखरीयाँ भोजपुर
वर्षा कुमारी	राजकीय मध्य विद्यालय रामपुर मनेर
कुमारी सबिता	राजकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्रीनगर पटना
अजय कुमार	मध्य विद्यालय गोरखरी, बिक्रम, पटना
संध्या शाही	प्रोजेक्ट बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, सरमेरा, नालन्दा
डॉ0 अंकिता कुमारी	महादेव उच्च माध्यमिक विद्यालय खुसरूपुर पटना
राजेश कुमार राजन	राज कुवँर विद्या मंदिर गोपालपुर, मनेर पटना
प्रशांत केतु	कृष्णकांत उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखनपुरा, पटना
अतुल कुमार	मध्य विद्यालय चौथी जिला कैमूर

अकादमिक सहयोग– राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, विभाग प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभारानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना